

सैनिक का पार्थिव शरीर लेकर लौट रही एंबुलेंस हुई दुर्घटनाग्रस्त

पुत्र समेत चार लोगों की मौत,सीएम ने जताया खेद

» **बीपीएस न्यूज**

देवरिया। चंडीगढ़ से सेना के जवान सुबेदार सत्यवान सिंह का पार्थिव शरीर लेकर देवरिया आ रही एंबुलेंस रविवार सुबह सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गई। हादसे में एंबुलेंस में सवार जवान के पुत्र राहुल सिंह, रुद्रपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी, उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह और चालक जसपाल की मौके पर ही मौत हो गई। एक ही परिवार में पहले जवान की मौत और इसके बाद उनके पुत्र समेत तीन अन्य लोगों की सड़क हादसे में मौत से रुद्रपुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःख है। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को परिजनों से



संवाद कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, देवरिया जिले के रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के गहिला-दुधैला गांव निवासी सत्यवान सिंह (50) सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) के पद पर मेरठ में तैनात थे। शुक्रवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें आर्मी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत

घोषित कर दिया। सेना की ओर से उन्हें गाई ऑफ ऑनर देकर अंतिम श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए उनका पार्थिव शरीर एंबुलेंस से पैतृक गांव रुद्रपुर लाया जा रहा था।बाताया गया कि एंबुलेंस में चालक जसपाल के अलावा सत्यवान सिंह के पुत्र राहुल सिंह, रुद्रपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी और उनके छोटे भाई राम सुमित सिंह सवार थे। रविवार

सुबह सुलतानपुर जिले के हलियापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अचानक एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही परिवार और परिचितों में कोहराम मच गया। जिस परिवार में कुछ ही घंटे पहले सत्यवान सिंह के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी, उसी परिवार को उनके पुत्र राहुल सिंह की मौत की खबर ने झकझोर दिया। परिवार के तीन अन्य सदस्य निजी वाहन से एंबुलेंस के पीछे आ रहे थे। हादसे की जानकारी मिलते ही वे घटनास्थल की ओर रवाना हुए।हादसे में जान गंवाने वाले राम सुमित सिंह रुद्रपुर क्षेत्र के तरसारा डाकघर में बड़े बाबू के पद पर कार्यरत थे। उनके निधन की खबर मिलते ही डाक विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में शोक छा गया। वहीं, रुद्रपुर नगर पंचायत के सभासद राजन चौधरी की मौत की सूचना से नगर

महाराष्ट्र में फिर कांपी धरती: हिंगोली जिले में 2.5 तीव्रता का आया भूकंप, 24 घंटे में तीसरी बार लगे झटके

» **बीपीएस न्यूज**

हिंगोली। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में रविवार दोपहर 2.5 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। पिछले 24 घंटे में जिले में यह तीसरा भूकंपीय झटका है। लगातार झटकों से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

हालांकि, अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अधिकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर 1:31 बजे भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र औंध नागनाथ तहसील के सिद्धेश्वर और दुधाला गांवों के बीच बताया गया है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की



गई है।

शनिवार को भी आए थे दो झटके

इससे पहले शनिवार सुबह हिंगोली जिले में कुछ घंटों के अंतराल पर दो हल्के भूकंपीय झटके महसूस किए गए थे। पहला झटका सुबह

करीब 7:46 बजे दर्ज किया गया था। इसकी तीव्रता 3.3 थी और इसका केंद्र औंध नागनाथ तहसील के गढ़ाला गांव में जमीन से करीब 7 किलोमीटर की गहराई में था। इसके करीब दो घंटे बाद 4.5 तीव्रता का एक और तेज झटका आया। इसे

जिले के कई हिस्सों में महसूस किया गया। भूकंप के साथ कुछ इलाकों में तेज गड़गड़ाहट की आवाज भी सुनाई दी।

हिंगोली के इस क्षेत्र में पिछले करीब छह साल से रुक-रुककर भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं। इससे पहले 1 अक्तूबर को आसपास के पांगरा शिंदे गांव में भी गड़गड़ाहट की आवाज के साथ भूकंपीय गतिविधि महसूस हुई थी। इस साल 9 और 11 जुलाई को भी क्षेत्र में 4.6 और 3.5 तीव्रता के झटके आए थे। इन झटकों के कारण कुछ घरों में दरारें आने की बात सामने आई थी। फिलहाल प्रशासन रविवार को आए 2.5 तीव्रता के झटके के बाद स्थिति पर नजर रख रहा है।

कोयला लेवी घोटाला: विधायक देवेंद्र यादव समेत नौ आरोपी आज कोर्ट में होंगे पेश

» **बीपीएस न्यूज**

छत्तीसगढ़। 570 करोड़ रुपये के बहुचर्चित कोयला लेवी घोटाले में विशेष न्यायालय ने भिलाई नगर के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक चंद्रदेव राय, रामगोपाल अग्रवाल, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जयप्रकाश मौर्य और दीपेश टांक समेत नौ आरोपियों को सनन जारी किया है। अदालत ने सभी आरोपियों को 5 अक्तूबर को कोर्ट के सामने उपस्थित होने का निर्देश दिया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो इस मामले में साक्ष्यों के आधार पर अंतिम आरोपपत्र पेश करने की तैयारी कर रहा है।

जांच से खुलासा हुआ है कि कोयला परिवहन करने वालों से अवैध वसूली के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को 15 जुलाई 2020 को खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक समीर विश्नोई के आदेश से ऑफलाइन कर दिया गया था। इसके बाद कोल वाशरी संचालकों से 100 रुपये प्रति टन और वाशरी से कोयला निकलने पर 25 रुपये प्रति टन अतिरिक्त परिवहन शुल्क वसूला जाता था। वसूली के लिए कोरबा और रायगढ़ में अलग से कार्यालय खोले गए थे, जहां से निखिल चंद्राकर के माध्यम से रकम अफसरों और नेताओं तक पहुंचाई जाती थी।वसूली की इस रकम से नेताओं और अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर संपत्ति और गहने खरीदे। तत्कालीन मुख्यमंत्री की उप सचिव सोम्या चौरसिया ने 169 बार में 31 करोड़ रुपये प्राप्त किए और अपनी मां के नाम पर 22 संपत्तियां खरीदीं। निलंबित आईएएस रानू साहू ने 13 किरतों में 5.52 करोड़ रुपये हासिल कर अपने भाई व रिश्तेदारों के नाम पर 13 संपत्तियां खरीदीं। वहीं, विधायक देवेंद्र यादव को 11 किरतों में तीन करोड़ रुपये मिले, जिसे खैरागढ़ उपचुनाव और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया।



जांच में सामने आया कि पूर्व विधायक चंद्रदेव राय ने 46 लाख रुपये लिए, जिसमें से 42 लाख रुपये उत्तर प्रदेश चुनाव में लगाए गए। उन्होंने बाकी बचे चार लाख रुपये से रायपुर के एक आपूषण प्रतिष्ठान से अपनी पत्नी के लिए 60 ग्राम सोने का हार खरीदा। इस खरीद से पहले उन्होंने सिंडिकेट के मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी से संदेश भेजकर दुकान और हार की पसंद पर सहमति ली थी।इसी तरह, विधायक देवेंद्र यादव और सूर्यकांत तिवारी के बीच हुई बातचीत में अनुपम नगर और शंकर नगर में मिलने तथा खैरागढ़ जाने की योजना पर चर्चा दर्ज है। कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह ने दो करोड़ एक लाख 40 हजार रुपये लेने की बात स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने यह पैसा पार्टी के लिए वाहनों और मीडिया प्रबंधन पर खर्च किया। कांग्रेस नेता विनोद तिवारी ने 19 किरतों में एक करोड़ 87 लाख रुपये प्राप्त कर संपत्तियां खरीदीं और खैरागढ़ चुनाव में रकम लगाई। एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट के आधार पर दो पूर्व मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों समेत 36 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। इस घोटाले में आईएएस समीर विश्नोई, रानू साहू, सोम्या चौरसिया, खनिज विभाग के संयुक्त निदेशक एसएस नाग और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी की गिरफ्तारी हो चुकी है।

हावड़ा स्टेशन पर मध्य प्रदेश से आए यात्री के बैग से 44 लाख नकदी बरामद

» **बीपीएस न्यूज**

कोलकाता। हावड़ा स्टेशन पर एक बार फिर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने भारी मात्रा में बेहिसाबी नकदी बरामद की है। मध्य प्रदेश से आई शिप्रा एक्सप्रेस के एक यात्री के बैग से तलाशी में 44 लाख नकदी बरामद की हैं। इतनी बड़ी रकम के साथ यात्रा करने का कोई वैध दस्तावेज या प्रमाण पेश न कर पाने पर यात्री को हिरासत में लेकर आयकर विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया है। पिछले कुछ दिनों में हावड़ा स्टेशन पर लगातार हो रही नकदी बरामदगी की घटनाओं को देखते हुए रेलवे पुलिस ने सुरक्षा और निगरानी काफी बढ़ा दी है।आरपीएफ ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया की यह ताजा मामला गुरुवार का है, जब हावड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 17 पर

डाउन शिप्रा एक्सप्रेस आकर रुकी। मध्य प्रदेश के विदिशा से कोलकाता आए यात्री रोहित सिंह की सदिश्य गतिविधियों को देखकर वहां पहले से तैनात आरपीएफ की खुफिया टीम को शक हुआ। अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की और उसके बैग की तलाशी ली, जिसमें से नोटों की गड़ियां बरामद हुईं।

आरपीएफ सूत्रों के अनुसार, शुरुआती पूछताछ में रोहित सिंह ने दावा किया कि वह यह पैसा कोलकाता से सोना खरीदने के लिए लेकर आया था। हालांकि, वह अपने दावे के समर्थन में या पैसे के स्रोत की वैधता साबित करने वाला कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद आरपीएफ ने पूरी रकम जब्त कर ली और आयकर विभाग को सूचित किया।

सूचना मिलते ही आयकर अधिकारी हावड़ा

स्टेशन पहुंचे और बरामद नकदी के साथ-साथ यात्री को भी अपनी हिरासत में ले लिया। आयकर विभाग अब इस बात की जांच कर रहा है कि इस पैसे का असली स्रोत क्या है और कहीं इसके तार हावाला या अंतरराज्यीय अवैध कारोबार से तो नहीं जुड़े हैं।

गौरतलब है कि, हावड़ा स्टेशन पर नकदी मिलने की यह तीसरी बड़ी घटना है। सितंबर के आखिरी सप्ताह में आरपीएफ ने महाराष्ट्र के रहने वाले सुजीत काले नाम के एक शख्स को हिरासत में लिया था, जिसके पास से करीब 67 लाख नकद बरामद हुए थे। इसके कुछ ही दिनों बाद, वंदे भारत एक्सप्रेस से आए एक अन्य यात्री को हावड़ा स्टेशन के पुराने कॉम्प्लेक्स से पकड़ा गया, जिसके पास से 21 लाख नकद और सोना बरामद हुआ था।

एसआईआर रह हो और बैलट पेपर पर चुनाव कराए जाएं :राज ठाकरे

» **बीपीएस न्यूज**

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने रविवार को मुंबई में गर्जना मोर्चा में महाराष्ट्र में एसआईआर को रद्द किए जाने और सभी चुनाव बैलट पेपर पर कराए जाने की मांग की। इससे पूर्व शिवसेना यूबीटी और मनसे का गर्जना विरोध मार्च मेट्रो सिनेमा से शुरू होकर मुंबई नगरपालिका, आजाद मैदान तक गया।राज ठाकरे आज शिवसेना यूबीटी और मनसे की ओर से आजाद मैदान में आयोजित गर्जना मोर्चा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, राकापा के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोरात आदि उपस्थित थे।मनसे अध्यक्ष राज ने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में अचानक 40 से 60 लाख वोटर बढ़ गए। इसके बाद एसआईआर के नाम पर महाराष्ट्र में दो करोड़ और पूरे देश में 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दिए गए। सब मनमानी तरीके से हो रहा है। सत्ता में जो बैठे हैं, उनसे कोई नाराजगी नहीं है, लेकिन वे किस तरीके से सत्ता में बैठे हैं, उसे लेकर नाराजगी है। इसलिए एसआईआर को रद्द कर चुनाव बैलट पेपर पर कराया जाना चाहिए। इससे सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।शिवसेना



अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि देश में एसआईआर पूरी तरह से गैर कानूनी है। इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया शुरू करते समय कहा गया था कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों का नाम मतदाता सूची में है, इसे हटाने के लिए यह प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को जवाब देना चाहिए कि एसआईआर प्रक्रिया से कितने बांग्लादेशी वूटे गए हैं, इनका आंकड़ा सरकार को सार्वजनिक किया जाना चाहिए।उद्धव ने कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति ही गलत तरीके से की गई है। साथ ही ज्ञानेश कुमार पर को प्रवक्ता संजय राऊत, चंद्रकांत खैरे सहित भारी संख्या में विपक्षी दलों के नेता उपस्थित थे।



अपनी बात....

संपादकीय

मिठास में ज़हर घोलने के धंधे पर कानूनी सख्ती

देशभर में त्योहारों के मौसम में मावे, पनीर और मिठाइयों में जहरीली मिलावट का धंधा चलता है। इससे जनस्वास्थ्य का गंभीर संकट पैदा होता है। इस संगीन अपराध को रोकने को कानून मौजूद हैं लेकिन उन पर अमल नहीं होता। दांव-पेच से अपराधी बच जाते हैं। ऐसे में कड़े दंड, त्वरित न्याय व तकनीकी निगरानी जरूरी है।शरद ऋतु के आगमन के साथ ही भारतवर्ष विजयादशमी, करवाचौथ, धनतेरस, दीपावली और छठ पूजा जैसे पर्वों के उल्लास में डूब जाता है। इन दिनों में बाजार रंग-बिरंगी मिठाइयों, खोया, पनीर, देशी घी और मसालों की दुकानों से पट जाते हैं। परंतु उत्सवों की ओट में एक भयावह खेल चल रहा होता है। त्योहारों के दौरान मांग और आपूर्ति के बीच पैदा होने वाले भारी अंतर का अनुचित लाभ उठाकर एक अपराधिक सिंडिकेट हमारी थाली में धीमा ज़हर परोसने का धंधा शुरू कर देता है।

जिस मावे और पनीर की मिठाइयों को हम अपनी में प्रेम और शुभकामनाओं के रूप में बांटते हैं, उनमें यूरिया, डिजेंट, कास्टिक सोडा, स्टार्च, सिंथेटिक पेंट और रिफाईंड तेल जैसे जानलेवा रसायनों की मिलावट होती है। यह केवल व्यापारिक धोखाधड़ी या उपभोक्ता के साथ छल नहीं है, बल्कि करोड़ों नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार पर किया जाने वाला सीधा और संगठित हमला है।

भारत में एफएसएसआई तथा खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 जैसा कानूनी ढांचा मौजूद तो है, लेकिन इसका व्यवहार से इसका निष्प्रभावी होना चिंता का विषय है।

त्योहारों पर विभागीय छापों और सैंपलिंग के बाद प्रयोगशालाओं से महीनों तक रिपोर्ट न आना एक वार्षिक रस्म बन चुका है। जब तक लैब रिपोर्ट आती है, तब तक मिलावटी उत्पाद नागरिकों के पेट में जाकर उनके लीवर और गुदों को स्थायी क्षति पहुंचा चुके होते हैं। मुकदमों की धीमी गति का लाभ उठाकर दोषी आसानी से बच निकलते हैं, जिससे इस अपराधिक गिरोह का हौसला हर त्योहार पर दोगुना हो जाता है।

न्यायपालिका ने इस स्थिति पर बार-बार सख्त रुख अपनाया है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन के मौलिक अधिकार को विस्तारित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इसमें 'सुरक्षित और शुद्ध भोजन पाने के अधिकार' को समाहित माना है। सेंटर फॉर पब्लिक इंटेरेस्ट लिटिगेशन बनाम भारत संघ (2013) के मामले में शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था कि नागरिकों को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना राज्य का संवैधानिक उत्तरदायित्व है। इसी कड़ी में दूध में मिलावट से संबंधित स्वामी अच्युतानंद तीर्थ बनाम

भारत संघ (2016) के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़े निर्देश जारी किए। न्यायालय ने सुझाव दिया कि यदि दूध या खाद्य पदार्थों में डिजेंट या घातक रसायनों की मिलावट पाई जाए, जिससे मानव जीवन को गंभीर खतरा हो, तो ऐसे दोषियों को आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया जाना चाहिए।

विकसित देशों में मिलावट के खिलाफ बेहद कठोर कानूनी व्यवस्था है। वैश्विक परिदृश्य के विपरीत भारत में सबसे बड़ी कानूनी चुक यह है कि जानबूझकर की गई जहरीली मिलावट को भी प्रायः सामान्य नियामकीय उल्लंघन माना जाता है। जब कोई व्यक्ति मावे या पनीर में कास्टिक सोडा, यूरिया या डिजेंट मिलाता है, तो उसे भली-भांति पता होता है कि यह रसायन शरीर को धीरे-धीरे नष्ट कर देगा। यह केवल मिलावट या व्यापारिक छल नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ के लिए किया जाने वाला 'धीमी हत्या का प्रयास' यानी अटेंटेड टू कल्पेबल होमोसाइड (भारतीय न्याय संहिता की धारा 110 के तहत) है। जिस प्रकार हथियार से हमला करना अपराध है, उसी प्रकार खाद्य पदार्थों के माध्यम से मानव शरीर में विष पहुंचाना एक प्रकार का 'जैव-रासायनिक अपराध' है। जब तक हमारी न्याय प्रणाली मिलावट को 'रस्तो पांडिजर्नियों' के समकक्ष रखकर अपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं करेगी, तब तक इस सिंडिकेट पर नकेल कसना असंभव है।

इस विकट परिस्थिति से निपटने के लिए खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम में तत्काल संशोधन करके जहरीली मिलावट को गैर-जमानती और गैर-शमनीय अपराध घोषित किया जाना चाहिए। इसमें न्यूनतम 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास और अपराधियों की अवैध संपत्ति की कुर्की का स्पष्ट प्रावधान हो। प्रत्येक जिले में विशेष 'फास्ट-ट्रैक फूड कोर्ट्स' स्थापित किए जाएं, जहां अधिकतम छह महीने के भीतर फैसला अनिवार्य हो। तकनीकी स्तर पर, केवल अंतिम उत्पाद की सैंपलिंग के बजाय सप्लायर्स चैन के शुरुआती बिंदु पर निगरानी रखी जाए। डेयरी उद्योग और मावा मंडियों में 'ब्लॉकचेन तकनीक' और 'क्यूआर कोड' प्रणाली लागू की जाए, जिससे उत्पाद की उत्पत्ति की पूरी जानकारी मिल सके। साथ ही, हर जिले में एनबीएल मान्यता प्राप्त मोबाइल टेस्टिंग लैब की व्यवस्था हो और 'हिसलब्लोअर्स' को प्रोत्साहन व सुरक्षा दी जाए।

त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत के संवाहक हैं, उन्हें किसी के लालच की बलि नहीं चढ़ने दिया जा सकता। दीपावली का प्रकाश तब तक अधूरा रहेगा जब तक हमारी थाली में घुला मिलावट का अंधकार समाप्त नहीं होता।

वैचारिक मंच

पंजाब में नशे के खिलाफ मिशन अधूरा रहा



पंजाब की नशे की समस्या इतनी गंभीर है कि इसे राजनीतिक नारों या अलग-अलग सरकारों के परस्पर दावों तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसने परिवारों को तबाह किया है, युवाओं का भविष्य प्रभावित किया है और राज्य की धमता व विश्वसनीयता की परीक्षा ली है। इसलिए सरकारों का आकलन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि उन्होंने क्या वादे किए, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि उन्होंने वास्तव में क्या किया, क्या काम किया और उतना ही महत्वपूर्ण यह भी कि वे कहां पीछे रह गए।

2017 के विधानसभा चुनाव से पहले नौने सार्वजनिक रूप से एक असाधारण रूप से मजबूत संकल्प लिया था—पंजाब में नशे के कारोबार की रोक तोड़ने का। मैं जानता था कि पंजाब की जनता के लिए इस वादे का क्या महत्व है और नौने इसे अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी माना हमने तुरंत कार्यवाई की। मार्च 2017 में सत्ता संभालने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में ही मेरी सरकार ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़े अभियान की शुरुआत की। इसके तुरंत बाद हमने विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया। उस समय केंद्रीय रिजेंट पुलिस बल (सीआरपीएफ) में केंद्रीय प्रतियुक्ति पर तैनात और छत्तीसगढ़ में नवसल विरोधी अभियानों का अनुभव रखने वाले अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हर्षप्रीत सिंह सिद्धू पंजाब लौटे और एसटीएफ का नेतृत्व संभाला।

शुरुआत में एसटीएफ को सीधे मुख्यमंत्री के प्रति जवाबदेह बनाया गया। उद्देश्य स्पष्ट था—एक ऐसी विशेषज्ञ टीम तैयार करना, जिसके पास नशे के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार और स्वतंत्रता हो तथा जो सबूत जहां ले जाएं, वहां तक पहुंच सके। मेरा निर्देश भी स्पष्ट था—न तो किसी को निशाना बनाने के लिए अभियान चलाया जाए और न ही किसी को संरक्षण दिया जाए। सबूतों के आधार पर कार्रवाई हो। यह सिद्धांत महत्वपूर्ण था। नशे के खिलाफ अभियान राजनीतिक हिसाब चुकता करने का माध्यम नहीं बन सकता था। इसी तरह राजनीतिक प्रभाव, सरकारी पद, पुलिस की वर्दी या व्यक्तिगत संबंध किसी को भी कानून से सुरक्षा नहीं दे सकते थे। शुरुआती जांच ने इस संकल्प को परीक्षा ली। जून 2017 में एसटीएफ ने नशे की तस्करी के एक मामले में पंजाब पुलिस के इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह को गिरफ्तार किया। जुलाई 2019 के अंत तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार मार्च 2017 से पुलिस अधिकारियों के खिलाफ नशे से जुड़े 66 मामले दर्ज किए गए थे और 88 पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया गया था। तत्कालीन पुलिस महानिदेशक ने सार्वजनिक रूप से इस नीति को शून्य सहनशीलता की नीति बताया था, साथ ही पर्याप्त सबूत की आवश्यकता और किसी को गलत तरीके से निशाना बनाए जाने से बचने पर भी जोर दिया था। लेकिन कार्रवाई नशे की समस्या का केवल एक हिस्सा थी। पंजाब को कई वर्षों में विकसित हुए नशे के एक पूरे अर्थतंत्र की विरासत मिली थी। इसमें संगठित तस्करी, सीमा पार से नशे की आवाजाही, स्थानीय वितरण नेटवर्क, दवाओं का दुरुपयोग और, उतना ही महत्वपूर्ण, बड़ी संख्या में ऐसे लोग शामिल थे जो पहले से ही ऑपियोइड की लत से जुड़ा रहे थे।तस्करों को गिरफ्तार करने से आपूर्ति बाधित हो सकती थी। लेकिन केवल इससे नशे की लत का इलाज नहीं किया जा सकता था, किसी युवा को इस चक्र में प्रवेश करने से नहीं रोका जा सकता

गाँधी के वैचारिक हत्यारे ही आज उमर खालिद जैसों के समर्थन

राजनीतिक विशलेषक/ जोनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

गांधी की विरासत इस देश में अब केवल अहिंसा जैसे शब्द और स्वच्छता अभियान तक सीमित रह गया। शायद अब गाँधी का समर्थन कोई एक नारे से नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति से माना जाता है। गोडसे की विचारधारा कभी सुनी नहीं गई ए पर सघ कहता है कि अपने विश्वास को परखो,अपने विरोधी को सुनो, स्वयं अपने भीतर झाँको, अन्याय का प्रतिरोध करो, मनुष्य को कभी केवल साधन मत समझो। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157 वी जयंती 2 अक्टूबर 2026 को मनाई गई। यह दिवस केवल गांधी जी को याद करने का दिन नहीं है। यह स्वयं से सवाल करने का दिन भी है कि जिस मनुष्य ने सत्य, अहिंसा, करुणा और आत्मसंयम को अपने जीवन का आधार बनाया, उसके विचार हमारे समय में हमारे लिए क्या अर्थ रखते हैं ? क्या हम उमर खालिद के समर्थन में गाँधी जी के जन्मदिन का उपयोग, उनकी फोटो का उपयोग, उनके नाम का उपयोग सही ठहरा सकते हैं?, गांधीजी को पढ़ना केवल यह जानना नहीं है कि उन्होंने क्या कहा था।

यह समझना भी आवश्यक है कि उन्होंने अपने विचारों को जीवन में किस तरह प्रदर्शित, बदला और प्रयोग किया। उनके लिए सत्य कोई बंद किताब या अंतिम निष्कर्ष नहीं था। गांधीजी भारत और विश्व में आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं क्योंकि उन्होंने खुद को एक ऐसे साधारण व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जो जीवन के प्रश्नों से लगातार संवाद करता है और सत्य की निरंतर खोज करता रहता है। गांधीजी को केवल 'महात्मा'

छुआछूत मिटाने का संदेश दिया गाांधीजी की पाठशाला ने

गांधीजी ने दिल्ली स्थित मंदिर रोड के दो मंदिरों में अस्पृश्यता व जातिवाद के खिलाफ लड़ई लड़ी। उनकी वाल्मीकि मंदिर की पाठशाला यह कहने का तरीका था कि कोई अछूत नहीं होता। हर जाति के लिए खुला बिड़ला मंदिर उस दलील का एक हिस्सा था व वाल्मीकि मंदिर दूसरा। यानी मंदिर सबके हैं, शिक्षा सबकी है।

राजधानी का मंदिर मार्ग बहुत लंबा नहीं है। करीब एक-सवा किलोमीटर होगा। यह सड़क मंदिरों से भरी है। इधर शिक्षा के मंदिर यानी स्कूल भी खूब हैं। दिल्ली की किसी और सड़क पर इतने स्कूल शायद ही हों। अजीब सड़क है। महात्मा गांधी ने इसी व्यस्त सड़क के दो मंदिरों में अस्पृश्यता और जाति की बुराई के खिलाफ लड़ई लड़ी। मंदिर मार्ग के

एक छोर पर बिरला मंदिर है तो दूसरे छोर पर वाल्मीकि मंदिर है।

क्या इतने स्कूलों ने उन्हें शिक्षक बनने की प्रेरणा दी? शायद! पक्की बात यह है कि वाल्मीकि मंदिर में रहते हुए वे शिक्षक भी बने। पूरे अर्थों में बने। आज गांधी जयंती है। बीते कुछ दिनों से उस कमरे की साफ-सफाई चल रही है जिसमें गांधी जी रहे थे। वे यहां 1 अप्रैल 1946 से 10 जून 1947 तक ठहरे। बीच-बीच में कहीं गए भी, और फिर लौटे भी। कुल दो सी चौदह दिन यहीं बिताए। इससे बहुत पहले उन्होंने इसी सड़क पर एक और काम किया था। यहां 12 मार्च 1939 को उन्होंने बिड़ला मंदिर का उद्घाटन किया। शर्त साफ थी। मंदिर सबके लिए खुला रहेगा। दलित भी अंदर जा सकेगे। दिल्ली में

किसी वास्तुकार द्वारा डिजाइन किए गए इस प्रथम मंदिर का उद्घाटन करने से पहले उन्होंने यहीं शर्त रखी। जाति के आधार पर किसी का प्रवेश नहीं रोका जाएगा। आपको इसके मेन गेट के बाहर एक शिलापट्ट मिलेगी। उस पर साफ लिखा है कि यहां किसी की जाति के आधार पर प्रवेश पर रोक नहीं है।

कुछ वर्षों बाद गांधी जी वाल्मीकि मंदिर में रहने आए। वे वाल्मीकि परिवारों के बीच मंदिर परिसर में रहे। यह समय उनके जीवन का खास अध्याय है। शायद पहली और आखिरी बार वे पूरे अर्थों में शिक्षक बने। वे जानते थे कि वाल्मीकि समुदाय का जीवन बदलने का स्थायी रास्ता शिक्षा ही है। उनका प्रति उनका भाव गहरा था। जब वे आए तब अधिकतर वाल्मीकि परिवार झुगियां में रहते



था और न ही नशा छोड़ने की कोशिश कर रहे व्यक्ति का पुनर्वास किया जा सकता था। इसलिए हमारी रणनीति तीन परस्पर जुड़े स्तंभों पर विकसित हुई—प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम। इन्हीं को मिलाकर सरकार की नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ व्यापक कार्रवाई (छष्ट) की आधारशिला तैयार हुई।

उपचार की क्षमता में काफी विस्तार किया गया। 2021 तक पंजाब में सरकार द्वारा संचालित 202 आउटपेरेट ऑपिओइड असिस्टेड ट्रीटमेंट (हद्दबद्द) केंद्र थे, जिनमें जेलों में स्थित 11 केंद्र भी शामिल थे। इसके अलावा 54 सरकारी तथा 224 निजी नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र भी थे।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार उपचार केंद्रों में कुल मरीज पंजीकरण की संख्या सात लाख से अधिक थी। इसका अर्थ यह नहीं था कि सात लाख लोगों का स्थायी रूप से इलाज हो गया था। यह केवल यह दर्शाता था कि उपचार तक पहुंच का दायरा कितना बढ़ा था।रोकथाम की मुहिम को स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों तक ले जाया गया। बड़ी कार्यक्रम के तहत 9.51 लाख समूह बनाए गए और 43.5 लाख से अधिक छात्रों को इससे जोड़ा गया।

ड्रग एब्यूज प्रिवेंशन ऑफिसर पहल के तहत करीब 6.28 लाख स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन स्वयंसेवकों ने 11.33 लाख से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई।नशे की तस्करी की आर्थिक बुनियाद पर भी प्रहार करना जरूरी था। 2021 तक कानून के तहत अधिकारियों ने नशे की तस्करी से जुड़ी 212 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां फ्रीज की थीं। सितंबर 2021 तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार हमारे कार्यकाल के दौरान नशे से जुड़े मामलों में गिरफ्तारियों की संख्या 62,744 थी।ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को दर्शाते थे, लेकिन अपने आप में यह साबित नहीं करते थे कि नशे की समस्या खत्म हो गई थी।फिर प्रयास कहां पीछे रह गया? यह सवाल ईमानदारी से पूछा जाना चाहिए। एसटीएफ ने सही दिशा में शुरुआत की, लेकिन संस्थागत व्यवस्था अपनी शुरुआती गति को लगातार कायम

पॉिक सीधे अंत:करण को छूती है। आज के इस दौर में, जब सार्वजनिक विमर्श प्रायः सतही नारों और तीखे ध्ववीकरण में उलझ चुका है, यह विचार एक अत्यंत गहरी सच्चाई को उजागर करता है।

महात्मा गांधी को याद रखना बहुत आसान है—उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करना, सरकारी दफ्तरों में उनकी तस्वीरें लगाना, मुद्रा पर उनका अवस देखना और साल में दो दिन औपचारिक भाषण देकर रस्म अदायगी कर लेना बेहद सहज है। गांधी को बिसरा देना या उनके विचारों को विकृत करना तात्कालिक रूप से कुछ विचारधाराओं के लिए राजनीतिक सहूलियत का विषय हो सकता है। यह संकीर्ण लाभ और वैचारिक ध्रुवीकरण को भले ही संतुष्ट कर दे, परंतु गांधी जिन मानवीय और नैतिक उसूलों के प्रतीक थे, उन्हें भुला देना भारत के भविष्य के लिए अत्यंत आत्मघाती सिद्ध होगा। यदि हम गांधी के सत्य और करुणा को त्याग देंगे, तो हमारे हाथ केवल भय, प्रतिशोध और वैमनस्य का अंधकार ही शेष रहेगा।परंतु गांधी को समग्रता में समझना एक अत्यंत कठिन और विचारोत्तेजक साधना है। इस दर्शन का सबसे विस्मयकारी सत्य यह है कि आप गांधी के विचारों, उनके प्रयोगों और उनके नैतिक अग्रहों को जितना गहराई से समझने का प्रयास करेंगे, उनके प्रति मन में आदर और विस्मय का भाव न आना उतना ही असंभव होता चला जाएगा। इतिहास की सामान्य समझ में हम अक्सर उन्हें केवल एक ऐसे स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखते हैं, जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत से देश को मुक्ति दिलाने में मुख्य भूमिका निभाई। निरसदेह, यह एक युगांतरकारी घटना थी, परंतु उनका वास्तविक और स्थायी योगदान केवल अंग्रेजों को भारत से बाहर भेजना भर नहीं था। उनका इससे भी महान अवदान यह था कि उन्होंने हमें यह सिखाया कि वास्तव में 'स्वतंत्रता' का मर्म क्या है और एक स्वतंत्र समाज को अपनी आंतरिक व्यवस्था का संचालन किस गरिमा के साथ करना चाहिए !



अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फ़ोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहको/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लॉक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com

उद्यमियों-त्यापारियों की समस्याओं के निस्तारण में देरी पर तय होगी जवाबदेही: जिलाधिकारी

» औद्योगिक क्षेत्रों से वसूले टैक्स का 60 प्रतिशत वहीं के विकास कार्यों पर होगा खर्च

» बीपीएस न्यूज



जिन औद्योगिक क्षेत्रों में टेक्स की वस्ती की जा रही है, वहां सुसंगत शासनादेशों द्वारा निर्धारित वस्त्रों एवं टेक्स का 60 प्रतिशत उच्च औद्योगिक क्षेत्र के विकास कार्यों पर खर्च किया जाए। इससे औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं को बेहतर किया जा सकेगा। व्यापार मंडलों एवं उद्यमी संगठनों से प्राप्त समस्याओं की समीक्षा करते हुए निर्बाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक समस्या की संबंधित विभाग नियमित समीक्षा करें। समस्या के निस्तारण के बाद निस्तारण

आख्या के साथ कराए गए कार्य के फोटोग्राफ भी नोडल विभाग को उपलब्ध कराए जाएं। इसमें देरी होने पर संबंधित विभागीय/अड्डेने व्यापारिक, एंटी औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, विद्युत, पेयजल, स्टील लाइट और जल निकासी से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता से दूर कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी समस्या के समाधान के लिए विभागीय समन्वय के आवश्यकता हो तो अधिकारी अगली बैठक की प्रतीक्षा न करें। प्रकरण तत्काल उनके

संज्ञान में लाया जाए, ताकि समय रहते समाधान कराया जा सके।

जिलाधिकारी ने उपायुक्त (प्रशासन) को निर्देशित किया कि नगर निगम से संबंधित 210 लाख से अधिक लागत वाले कार्यों के सभी प्रकरणों को एक साथ संकलित कर नगर आयुक्त को सौंपा जा सकता है जिसे से नए पर शीघ्र कार्रवाई हो सके। जिलाधिकारी ने उद्यमियों एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों से कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए वे किसी भी कार्यालय दिवस में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक जनता दर्शन में सीधे उनसे मिल सकते हैं। प्रशासन का प्रयास जिले में व्यापार एवं औद्योगिक गतिविधियों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है।

दादा नगर-विजय नगर सड़क की होगी
मरम्मत
बैठक में आईआईए ने दादा नगर से

विजय नगर जाने वाली सड़क के क्षतिग्रस्त होने का मुद्दा उठाया। बताया गया कि जल निगम एवं मेट्रो के कार्यों के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हुई है। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को दोनों विभागों से समन्वय कर आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

पीआईए ने पनकी तिराहा साइट - 1 में पैचवर्क न बने और यूपीसीड द्वारा कराए गए पैचवर्क की गुणवत्ता का मुद्दा उठाया। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को संबंधित कार्यों की जांच करकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव जे. जैन, उपायुक्त उद्योग, उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी तथा व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



कानपुर। साइबर क्राइम थाना कानपुर नगर पुलिस ने ED/CB/अधिकारी बनकर डिजिटल ओस्ट्रे के माध्यम से साइबर ठगी करने वाले एक अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के 03 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अपराध और न्याय अभियुक्तों द्वारा वरिष्ठ चिकित्सक को जांच एवं गिरफ्तारी का भय दिखाकर लगभग 48 लाख की ठगी की गई। जांच में फर्जी फर्म एवं बैंक खातों के माध्यम से देशभर में धनराशि ट्रांसफर किए जाने तथा विभिन्न राज्यों से 04 साइबर अपराध शिकायतों में लगभग ?1.42 करोड़ की ठगी का विवर सामने आया है।

अभियुक्तों के कब्जे से 3 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं, जिनसे महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। प्रकरण में एक अभियुक्त को वांछित किया गया है तथा अन्य संबंधित बैंक खातों एवं अभियुक्तों की जांच जारी है।

साइबर अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देने के लिए गए दिशा निर्देश



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता द्वारा साइबर थाना कानपुर नगर के विवेचकों एवं कर्मचारियों का ओ.आर. किया गया। इस दौरान साइबर अपराध से संबंधित लंबित विवेचनाओं की समीक्षा कर उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। साइबर अपराधों में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को समय से राहत दिलाने के निर्देश दिए गए।

साइबर ठगी में धनराशि के त्वरित होल्ड/फ्रीज एवं रिकवरी हेतु संबंधित बैंक एवं अन्य संस्थानों से समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।विवेचना के दौरान डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से संकलित करने के निर्देश दिए गए।



लॉबित प्रार्थना वरों एवं अभियोगों की नियमित समीक्षा कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।साझर अपराध के नए तरीकों एवं तकनीकी पहलुओं से अपडेट रहते हुए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।विवेचकों को केस डायरी एवं अभिलेखों को अद्यतन रखने तथा विवेचना में गुणवत्ता बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। साझर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी एवं विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए अपराध की रोकथाम हेतु निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

थाना कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों एवं लंबित मामलों की नियमित समीक्षा किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासन एवं टीम भावना के साथ कार्य करते हुए साइबर अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

महिला सिपाही की मौत का मामला:रिटायर्ड फौजी पर आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट, गिरफ्तार

कानपुर। रेऊना क्षेत्र के गिरसी गांव में महिला ही प्रतीक्षा (22) की मौत के मामले में पुलिस की तहरीर पर रिटायर्ड फौजी पर विक्रांत सिंह आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की। बुधवार से आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया। गिरसी साठ्य दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि गिरसी गांव निवासी विजय सिंह की बेटी प्रतीक्षा रिजिले के मोहनगढ़ थाने में तैनात थी। बुधवार सुबह घर आई थी। वह छत पर बने कमरे में गई थी। कुछ देर बाद बहन उसे बुलाने पहुंची। बहन फंदे से लटकता मिला था। परिजनों ने सचेंडी गांव निवासी विक्रांत सिंह चंदेल पर आत्महत्या नए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। यह 2019 टायपर होने के बाद गजनेर में विक्रांत फिजिकल से एकडेमी चलाने लगा था। गिरसी गांव निवासी चालक विजय सिंह की बड़ी बेटी प्रतीक्षा और नी बेटी दीपा ने वर्ष 2021 में कोचिंग कर रही गिरसी दौमन विक्रांत और प्रतीक्षा के बीच बातचीत नहीं। अमेठी होने के बाद प्रतीक्षा और विक्रांत में घवीत कम होने लगी। आरोप है इसी बात को लेकर त उसे प्रताड़ित करने लगा था। मौत से चंद घंटे पहले के बीच तीन बार फोन पर बातचीत हुई थी। वहीं, ने के पुलिस अधीक्षक सवगणन टी. ने बताया कि गा आरक्षी की मौत की जानकारी हुई है। हालांकि सह पर पर आरोप की जानकारी नहीं है।

सांसद ने पनकी पड़ाव पुल पर गह्वे देख इंजीनियर को फटकारा, कहा- सड़क को चमाचम करें



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पनकी पड़ाव पुल की जर्जर सड़क देख बृहस्पतिवार को सांसद रमेश अवस्थी ने पीडित/पड़ोसी के डीजीनियर को बुलाकर फटकारा। कहा कि जल्द पनकी पड़ाव पुल की सड़क को मरामच कर दें नहीं तो परिणाम भुगतने को तैयार रहें। सांसद ने गाँवदिनियर विधायक सुरेश मैथानी के साथ निरीक्षण किया। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी सी अर्चना अग्रवाल, अन्य अधिकारियों से कहा कि पनकी पड़ाव पुल से रोज हजारों लोग गुजरते हैं। अधिकारियों की उदासीनता से क्षेत्रीय जनता को हर दिन भारी जाम और दुर्घटनाओं के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। अर्चना ने आश्वासन दिया कि दीवारपल के पहले इस मार्ग को दुरुस्त कराएंगे। इस दौरान वाई-53 की पार्श्व आरती त्रिपाठी भी मौजूद रहें।

हाथों में जंजीर पहनाकर पदयात्रा और प्रदर्शन चुनाव आयुक्त का फूँका गया पुतला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर काँग्रेस ने जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में तिलक हल से जिलाधिकारी कार्यालय तक हाथों में जंजीर पहनाकर जोरदार विरोध पैदल मार्च निकाला। कचहरी पे प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूँका। मोदी, अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जोरदार नारे लगे।हजारों की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।विरोध के दौरान जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता हाथों में जंजीर पहने रहे और ३३ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करो, जेल भेजो के जोरदार नारे लगाए।पुलिस ने पहले कांग्रेसजन को बैरीकेडिंग लगाकर बड़ा चारों



पर रोका पर जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में आक्रोशित कांग्रेस जन माने नहीं और बैरिकेडिंग तोड़ते हुए सब्जी मंडी तक बढ़ गए। वहां सैकड़ों की तादाद में मौजूद पुलिसकर्मियों ने जिलाध्यक्ष समेत सभी कांग्रेसजनों को रोक लिया जिसपर कांग्रेसजन



वहीं धरने पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। उसके बाद कांग्रेसजनों ने अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त का पुतला फूँका। जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और चुनावी प्रसारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। कांग्रेस माँग करत है कि ज्ञानेश कुमार को तत्काल बर्खास्त कर जेल भेजा जाए तथा मोदी और अमित शाह देश से माफ़ी माँगें। पवन गुप्ता ने कहा कि 2024 लोकसभा सहित हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार चुनावों में सामने आए चुनावी अनियमितताओं के आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

न्यायिक व पुलिस अधिकारियों ने पॉक्सो, गुड टच-बैड टच और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

स्कूलों में लगी कानून की पाठशाला छात्र-छात्राओं ने सीखे सुरक्षा के गुट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर्। स्कूली छात्र-छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर् नगर के तत्वावधान में सोमवार को नहर के विभिन्न स्कूलों में पाँचसौ अधिकारियों जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया। प्रार्थना सभाओं एवं प्रत्येक सत्रों में न्यायिक और पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से सीधे संपर्क कर पाँचसौ अधिकारियों, बाल सुरक्षा, गुड टच-बैड टच, साइबर सुरक्षा, आत्मरक्षा तथा आपातकालीन उपस्थान के संबंध में जानकारी दी। ज्ञान भारती बालिका इंटर कॉलेज, बरहना रोड में अपर जिला जज राकेश प्रवाठी ने छात्राओं को पाँचसौ अधिकारियों के प्रमुख प्राधान्यों, कानूनी अधिकारों और उपलब्ध विधिक

[illegible]

अभिनियम के साइबर सुरक्षा
आत्मरक्षा और
आवश्यकता पड़ने पर
पुलिस एवं अन्य
सहायता सेवाओं से
संपर्क करने के तरीके
की जानकारी दी गई।
इस अवसर पर
विद्यार्थियों के अभि
प्रधानाचार्यों पूजा
ताविका इंटर कॉलेज
आयोजित बाल सुर
अभिनियम जागरूक
पत्र जिला जल पीयू
आधिकारिक मॉनिटर प्रशा
को गुड टाइम और बै
बाल अधिकारों तद
के बारे में बताया
एवं पुलिस हेल्पलाइन
आवश्यकता पड़ने
करने की प्रक्रिया
कारणेश्वर सरस्वती विद्या

नकेतन, जवाहर नगर में राकेश सिंह एवं शिव शंकर दोहरे ने विद्यार्थियों को बाल संरक्षण से जुड़े कानूनी अधिकारों और पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों से अवगत कराया। विद्यार्थियों को किसी भी असुरक्षित परिस्थिति में चुप न रहने तथा अभिभावक, शिक्षक अथवा संबंधित संस्था तक अपनी बात पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। बीएनएसडी इंटर कॉलेज में विजय कुमार गुप्ता एवं समृद्धि मिश्रा विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चों को प्राप्त कानूनी संरक्षण बाल अधिकारों तथा शिक्षाएत ए सहजता प्राप्त करने की व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनों की व्यावहारिक जानकारी देने के साथ उनमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न अथवा असुरक्षित परिस्थिति में वे बिना भय और संकोच के सहायता प्राप्त कर सकें।

अंत्योदय
6 करोड़+ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर

ग्राम स्वराज
10.58 लाख+ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1.24 करोड़+ महिलाएं आत्मनिर्भर

स्वदेशी
देश के 60% मोबाइल का विनिर्माण उत्तर प्रदेश में

“राजनीति का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याण और समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा होनी चाहिए।”

-महात्मा गांधी

**157वीं जयंती पर
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी
को कोटि-कोटि नमन!**

“बापू के असाधारण जीवन एवं आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। साहस, सादगी, स्वच्छता, स्वदेशी एवं स्वरोजगार बड़े परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं, यह बापू ने हमें सिखाया। विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण के अभियान में उनके बताए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।”

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

(2 अक्टूबर, 1869-30 जनवरी, 1948)

खादी

₹162 करोड़+
के उत्पादों का विक्रय

सर्वोदय

1 करोड़+ एमएसएमई इकाइयां
4 करोड़ लोगों को आजीविका

**स्वावलंबन/
रोजगार**

4.25 करोड़+
रोजगार/स्वरोजगार

स्वच्छता

100% ओडीएफ राज्य

आत्मनिर्भरता

22% खाद्यान्न उत्पादन
देश का फूड बास्केट 'यूपी'

अंत्योदय से सर्वोदय की ओर

बापू की राह पर कदम बढ़ाएं
स्वच्छ-सशक्त उत्तर प्रदेश बनाएं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

मुख्यमंत्री
हल्पलाइन **1076**

एसआईआर के मुद्दे पर दिल्ली में विपक्षी दिग्गजों का जमावड़ा

इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचे ममता-अभिषेक



अभिषेक बनर्जी की सांगठनिक पकड़ और ममता बनर्जी के राजनीतिक अनुभव की जुगलबंदी से इंडिया गठबंधन की इस बैठक में गरमा-गरम बहस और दूरगामी फैसलों की पूरी उम्मीद जताई जा रही है। विपक्षी दलों के बीच लंबे समय से जारी आपसी खींचतान और रणनीति के दौर के बीच पूर्व मुख्यमंत्री का यह दिल्ली दौरा राजधानी की हवाओं में नई सियासी गर्मी घोल रहा है।

कोलकाता। राष्ट्रीय राजनीति के फलक पर नए सियासी समीकरण साधने और विपक्षी एकता की विसात बिछाने के मकसद से तृणमूल सुप्रीमों ममता बनर्जी मंगलवार को नई दिल्ली के लिए पहुंच गईं। बुधवार को राजधानी में आयोजित होने वाली इंडिया गठबंधन की बेहद अहम और हाई-प्रोफाइल बैठक में भाग लेने के लिए उनका यह दौरा राजनीतिक गलियारों में जबर्दस्त चर्चा का विषय बना हुआ है। ममता बनर्जी के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और उनके एक बेहद करीबी व पुराने सहयोगी के भी दिल्ली पहुंचने की खबर ने राष्ट्रीय राजनीति का तापमान अचानक बढ़ा दिया है। तृणमूल के दोनों शीर्ष स्तंभों की देश की राजधानी में एक साथ मौजूदगी ने विपक्षी दलों के साथ-साथ सत्ता पक्ष के भी कान खड़े कर दिए हैं। दिल्ली रवानगी से पहले ही राजनीतिक पंडितों के बीच कयासबाजी का दौर चरम पर पहुंच चुका है। विपक्षी खेमे में ममता बनर्जी के इस रुख को एक बड़े राजनीतिक धमाके के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, बुधवार की बैठक में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी केवल औपचारिकता निभाने नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की भावी दिशा और राज्यों के अधिकारों के मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाने की रणनीति के साथ उतर रहे हैं।

मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी मूसा मारा गया

बडगाम। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात बडगाम जिले के गुरवटकालान इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया। उसकी पहचान सुलेमान शाह उर्फ मूसा के रूप में हुई है।एक वरिष्ठ पुलिस के अनुसार, इलाके में आतंकवादियों से होने की सूचना पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त ऑपरेशन

शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। इलाके को घेर लिया गया है। अतिरिक्त सुरक्षाबलों को मौके पर भेजा गया है।हालांकि कश्मीर की चिनारा कोर ने मारे गए आतंकवादी की पहचान नहीं बताई है लेकिन पुलिस अधिकारियों ने उसकी पहचान सुलेमान शाह उर्फ मूसा के रूप में की है।सेना ने एक्स पर जानकारी दी कि उन्होंने दूसरे सुरक्षाबलों के साथ मिलकर

सेंट्रल कश्मीर के कोराग, यूसमर्ग के जनरल इलाके में एक ऑपरेशन शुरू किया। चौकस सैनिकों ने सांदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी। इसके बाद चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने गोलियां चलाईं जिसके बाद दोनों तरफ से जमकर गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान मूसा को दूधपथरी के दूर के जंगल वाले इलाके में मार

गिराया गया।अधिकारियों ने बताया कि मूसा पीर पंजाल रेंज के दोनों तरफ हुए कई हमलों में शामिल था। इस महीने की शुरुआत में यूसमर्ग पहाड़ियों में हुए एक एनकाउंटर से बच निकला था। उसका करीबी यासिर 5 सितंबर को उस एनकाउंटर में मारा गया था। अधिकारियों ने कहा कि मूसा का मारा जाना जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए- तैयबा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।



इस्त्राइल जा रही फ्लाइट को उड़ा रहा था भारतीय, सह-पायलट ने चाकू से किया हमला वार सहकर बचाई 174 यात्रियों की जान

बीपीएस न्यूज

तेल अवीव । दुबई से इस्त्राइल के तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई की उड़ान में बुधवार को ऐसा संकट आया, जिसने 174 यात्रियों की जान खतरे में डाल दी। विमान को भारतीय कैप्टन स्मित मखर उड़ा रहे थे। उड़ान के दौरान कॉकपिट में भारतीय कैप्टन और ओमानी सह-पायलट के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान चाकू से हमला किया गया और विमान अचानक तेजी से नीचे आने लगा। सह-पायलट पर विमान को जानबूझकर गिराने की कोशिश का संदेह है। भारतीय कैप्टन मखर ने इस्त्राइली यात्रियों की मदद से उसे काबू किया और विमान को सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट में सुरक्षित उतारा गया। इस्त्राइली अधिकारियों के अनुसार, कॉकपिट में संघर्ष के दौरान ओमानी सह-पायलट पर विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश करने का संदेह है। इसी दौरान सह-पायलट और भारतीय कैप्टन के बीच संघर्ष हुआ। सह-पायलट को भी चाकू लगने की बात सामने आई है। अखिरकार भारतीय कैप्टन ने विमान में मौजूद इस्त्राइली यात्रियों की मदद से सह-पायलट को काबू किया। एक यात्री के अनुसार, कॉकपिट की तरफ से चीखने की आवाजें आईं और वहां काफी खून दिखाई दिया। विमान में मौजूद डॉक्टर और नर्स ने घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार दिया।

घटना के समय विमान में 174 यात्री सवार थे, जिनमें 27 बच्चे भी शामिल थे। कॉकपिट में झड़प के बीच विमान की स्थिति अचानक गंभीर हो गई। विमान की ऊंचाई करीब 34 हजार फीट से तेजी से घटकर 14 हजार फीट तक पहुंच गई। फ्लाइट ट्रेकिंग के अनुसार, एक समय विमान के नीचे आने की रफ्तार करीब 30,976 फीट प्रति मिनट दर्ज हुई। इस दौरान भारतीय

कैप्टन ने स्थिति संभाली और यात्रियों की मदद से सह-पायलट को काबू किया। इसके बाद विमान को सऊदी अरब की ओर मोड़कर तबुक में उतारा गया।

फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 ने दुबई से सुबह 7:05 बजे उड़ान भरी थी और उसे करीब 9:30 बजे तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट पहुंचना था। करीब 90 मिनट बाद विमान ने पहले 7700 आपातकालीन कोड भेजा। इसके बाद 7500 कोड प्रसारित हुआ, जो विमान में अवैध हस्तक्षेप और संभावित हाईजैक से जुड़ा होता है। विमान ने रास्ता बदला और सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में चला गया। पायलट से संपर्क नहीं होने पर इस्त्राइली अधिकारियों को हाईजैक की आशंका हुई और वायुसेना के लड़ाकू विमान खाना किए गए। बाद में पता चला कि आपातकालीन स्थिति का कारण पायलटों के बीच हुई झड़प थी।विमान सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा। फ्लाईदुबई ने सभी यात्रियों को सुरक्षित होने और उनकी देखभाल किए जाने की बात कही। एयरलाइन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी है। यात्रियों को आगे तेल अवीव पहुंचाने के लिए दुबई से दूसरा विमान भेजने की तैयारी की गई। इस्त्राइल की सकारी एयरलाइन ने भी यात्रियों को वापस लाने में मदद की पेशकश की। इस घटना के बाद इस्त्राइली सुरक्षा एजेंसियों ने भी जांच शुरू की। अधिकारियों ने सह-पायलट के कथित विमान गिराने के प्रयास समेत पूरे घटनाक्रम की जांच की बात कही है।नेतन्याहू ने भी फ्लाईदुबई विमान में हुई घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने उस पायलट को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने दूसरे पायलट पर चाकू से हमला किया और कथित तौर पर विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश की। विमान में बड़ी संख्या में इस्त्राइली यात्री सवार थे।

सीएम योगी की घोषणा: एक बार फिर से बढ़ेगी दित्यांगजनों की पेंशन, लाखों पेंशनभोगियों को होगा लाभ

विधानसभा स्तर पर लगंगे शिविर, कॉविलयर इंप्लांट में मदद

सभी 18 मंडलों में शुरू होंगे पुनर्वास केंद्र

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार दित्यांगजन पेंशन की धनराशि में एक बार फिर बढ़ोतरी करने जा रही है। गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेंशन राशि बढ़ाने का आश्वासन दिया है। प्रदेश में पहले दित्यांगजनों



यूपी में एक बार फिर से बढ़ने जा रही है दित्यांगजनों की पेंशन जानिए अभी मिल रहे हैं कितने प्रतिमाह

को 300 रुपये प्रति माह पेंशन दी जाती थी, जिसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 500 रुपये

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर बस और ट्रक की टक्कर, 5 लोगों की मौत

बीपीएस न्यूज

सूरत/आणंद। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर आणंद और नडियाद के बीच बुधवार तड़के साई दर्शन ट्रैवल्स की बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल बताए गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, साई दर्शन ट्रैवल्स की निजी लग्जरी बस सूरत से राजस्थान जा रही थी। बुधवार तड़के करीब 3:30 से 4 बजे के बीच बस आणंद से नडियाद की ओर जा रही थी, तभी उसकी ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के समय अधिकांश यात्री सो रहे थे। अचानक हुए धमाके से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कई



लाग बस के भीतर फंस गए।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस तथा 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई।

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को

तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। मृतकों के शवों को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सूरत निवासी घायल धनेश जादव ने बताया कि वह सूरत से बस में सवार हुए थे।

उन्होंने कहा कि सुबह अचानक जोरदार धमाका हुआ। उस समय बस में लगभग सभी यात्री सो रहे थे। हादसे के बाद बस के अंदर और आसपास चीख-पुकार मच गई।

मृतक के रिश्तेदार निमेषभाई ने बताया कि उन्होंने अपने रिश्तेदार को रात करीब नौ बजे सूरत से बस में बैठाया था। रात करीब सवा तीन बजे उन्हें हादसे की सूचना मिली।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना में उनके बहनेई की मौत हो गई। परिवार ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है।

हादसे की सूचना मिलते ही आणंद ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के साथ मृतकों और घायलों की पहचान की पुष्टि कर रही है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कारण एक्सप्रेसवे पर कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

मेरठ का सौरभ हत्याकांड जिला जज की अदालत ने मुस्कान-साहिल को दोषी माना

सजा पर फैसला रखा सुरक्षित

बीपीएस न्यूज

मेरठा। मेरठ के चर्चित सौरभ हत्याकांड में जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत ने बुधवार को सौरभ की पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को दोषी करार दिया। अभियोजन के अनुसार, सौरभ की हत्या के बाद उसके शव के टुकड़ों को नीले ड्रम में रखकर सीमेंट के घोल से सील किया गया था। दोनों पक्षों की अंतिम बहस पूरी होने के बाद अदालत ने दोनों को दोषी ठहराया और सजा के बिंदु पर फैसला सुरक्षित रखा है।

सुरक्षा के बीच वीसी से हुई पेशी

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। बड़ी संख्या में वकील भी कोर्ट में मौजूद रहे। सुरक्षा कारणों के चलते जिला कारागार में बंद मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया।

लंदन से लौटने के बाद हत्या की साजिश का आरोप

अभियोजन पक्ष के अनुसार, इंद्रानगर निवासी सौरभ लंदन में नौकरी करता था और



टुकड़े किए गए। इसके बाद आरोपियों ने अनाज रखने वाला बड़ा नीला प्लास्टिक ड्रम, सीमेंट, बालू और डस्ट रोदी।अभियोजन के मुताबिक, शव के टुकड़ों को पॉलीथीन में लपेटकर ड्रम में

24 फरवरी 2025 को मेरठ स्थित अपने घर लौटा था। अभियोजन का आरोप है कि सौरभ के वापस आने के बाद पत्नी मुस्कान और साहिल के बीच संबंधों में वह बाधा बन रहा था। इसी के चलते दोनों ने उसकी हत्या की साजिश रची।अभियोजन के मुताबिक, 3 मार्च 2025 की रात सौरभ के खाने में नशीली दवा मिलाई गई। उसके बेसुध होने के बाद साहिल को घर बुलाया गया। इसके बाद दोनों ने धारदार हथियारों से हमला कर सौरभ की हत्या कर दी।

नीले ड्रम में सीमेंट से शव सील करने का आरोप पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने और साक्ष्य मिटाने के लिए उसके

रखा गया और उसके ऊपर सीमेंट का घोल डालकर उसे सील कर दिया गया। इसके बाद दोनों के शिमला-मनाली जाने की बात सामने आई थी।

परिस्थिति जन्म और वैज्ञानिक साक्ष्यों पर टिका अभियोजन

बचाव पक्ष की ओर से मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं होने और संपत्ति विवाद के कारण फंसाए जाने का तर्क दिया गया था। अभियोजन ने पुलिस विवेचना, चिकित्सकीय और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर अपना पक्ष रखा।जांच से जुड़े पुलिस अधिकारियों ने अदालत के सामने मामले से संबंधित साक्ष्य



पेश किए। चिकित्सकीय साक्ष्य में पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक डॉ. दिनेश सिंह चौहान का बयान भी शामिल रहा। अभियोजन के अनुसार, सौरभ की मौत अत्यधिक रक्तस्राव और शॉक से हुई थी।

18 मार्च को दर्ज हुआ था मुकदमा

सौरभ के भाई की तहरीर पर 18 मार्च 2025 को मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, घर से नीले ड्रम में सीमेंट से जमा हुआ शव बरामद किया गया था।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश का तंज, बोले- एक कचौड़ी दो समोसा, बीजेपी पर नहीं भरोसा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि भारत और उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय बीजेपी-शैली की इमरजेंसी से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाशिए पर मौजूद वर्गों के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं और आवाज उठाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अखिलेश यादव ने युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे एक 'कचौड़ी, दो समोसा' राइम का इस्तेमाल सत्ताधारी दल पर तंज कसने के लिए किया।एक कचौड़ी, दो समोसा, बीजेपी पर नहीं है भरोसा।= उन्होंने इस अनोखे अंदाज के

ज़रिए भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और शासन पर निशाना साधा। यादव ने पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार में हर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। सब लोग भाजपा को हटाने में सपा की मदद करें। आने वाले समय में पीडीए और जेन जी भाजपा का सफाया कर देंगे। जनता को भाजपा पर भरोसा नहीं है। नई पीढ़ी के लोग भाजपा से बहुत नाराज हैं, समाजवादी पार्टी नई पीढ़ी के नौकरी, रोजगार के लिए अपने घोषणा पत्र में कई चीजें शामिल करेगी। समाजवादी सरकार ने लैपटॉप बांटा, आईटी सिटी बनाया, डायल 100 और अन्य

सेवाओं की शुरुआत की। आने वाले समय में भी इसी तरह के काम होंगे। भविष्य में टेक्नालॉजी को जोड़कर किसान, गरीब और नई पीढ़ी के लिए काम करेंगे। यादव ने कहा कि विकास का पैसा भाजपाइयों की जेब में जा रहा है। भ्रष्टाचार चरम पर है। नदियां नहीं साफ हुईं, बजट का पैसा साफ हो गया। हालत यह है कि मुख्यमंत्री जी गोरखपुर की सड़क को ठीक नहीं बना पाए। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे में 45 किलोमीटर में 74 गड्ढे हो गए हैं। 91 किलोमीटर का एक्सप्रेस-वे सात हजार करोड़ में बनी है, इसमें बजट की

लूट हो गयी। जमकर गोरखंधा हुआ। सपा सरकार में बना आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे आज भी बिना मटेमेंस के उसी तरह से चल रहा है। कहीं कोई गड्ढा नहीं है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। इस सरकार में एक भी यूनिट नई बिजली नहीं बनी। जब बिजली नहीं बनायी है तो मुख्यमंत्री और उनके मंत्री जहां जाएंगे, उन्हें जनता के सवालों को सुनना ही पड़ेगा। एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को बड़े-बड़े कार्यालय बनाने की बया जरूरत थी, भाजपा

को चुनाव आयोग में ही एक फ्लोर ले लेना चाहिए। भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद कर दिया है, लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया। मीरपुर में महिलाओं पर पुलिस द्वारा रिवाल्वर तानने वाली तस्वीर कोई नहीं भूल सकता है। उत्तर प्रदेश में हुए सभी उपचुनाव रामपुर, मीरपुर, कुंदवरकी, बीकापुर, कटेहरी में भाजपा ने चुनाव आयोग से मिलकर बेईमानी और धांधली की। भाजपा ने टारगेट करके वोट काटा। उन्होंने कहा कि भाजपा हटेगी, तभी लोकतंत्र बचेगा। समाजवादी पार्टी पहले दिन से चुनाव आयोग की नियुक्ति के

डीएम ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

» लोगों को संचारी रोगों से बचाव एवं रोकथाम की दिलाई शपथ

साफ-सफाई और जलभराव की रोकथाम पर रहेगा विशेष जोर

बुखार होने पर तत्काल जांच कराने की अपील

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने रामादेवी स्थित मान्यवर काशीराम संयुक्त चिकित्सालय एवं ट्रामा सेंटर से 01 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को संचारी रोगों से बचाव एवं रोकथाम की शपथ भी दिलाई।

जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वच्छता, जागरूकता और समय से उपचार बेहद जरूरी है। लोग अपने घर और आसपास साफ-सफाई रखें

तथा पानी जमा न होने दें। बुखार अथवा संचारी रोग से संबंधित कोई भी लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न बरतें और निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर निःशुल्क जांच एवं उपचार कराएं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग के साथ संबंधित विभागों की टीमों लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगी। साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम तथा रोगों की समय से पहचान और उपचार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि -सावधानी और स्वच्छता अपनाएं, संचारी रोगों से स्वयं सुरक्षित रहें और अपने परिवार



को भी सुरक्षित रखें। अभियान के शुभारंभ के बाद जिलाधिकारी श्री महेंद्र सिंह तंवर ने मान्यवर काशीराम संयुक्त चिकित्सालय एवं ट्रामा सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने पचा

वितरण कक्ष, ओपीडी, मरीज प्रबंधन व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, जांच केंद्र एवं लैब का जायजा लिया। अधिकारियों से प्रतिदिन ओपीडी में आने वाले मरीजों की

संख्या और उनके उपचार की व्यवस्था की जानकारी भी ली। जिलाधिकारी ने अस्पताल में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लैब एवं



जांच सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि मरीजों को आवश्यक जांच समय से उपलब्ध हो और जांच रिपोर्ट के आधार पर उपचार शुरू करने में अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं में जहां कहीं भी व्यवस्थागत कमी अथवा संसाधनों का गैप सामने आए, उसे तत्काल चिह्नित कर अवगत कराया जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। अस्पताल की व्यवस्थाओं और स्वास्थ्य सेवाओं का नियमित मूल्यांकन करते हुए सामने आने वाली कमियों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर उसका क्रियान्वयन किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराया जाए। चिकित्सक एवं संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ सम्मानजनक व्यवहार हो तथा उसे आवश्यक जांच, दवा और उपचार समय से मिले।

बाबा बड़े दयालु हैं

ओम नमः शिवायः

बाबा बड़े दयालु हैं

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवाई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)



श्याम मिल्क प्रोडक्ट डेयरी

हमारे यहाँ शुद्ध दूध, दही, पनीर, खोया, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध मिठाई उचित मूल्य पर उपलब्ध है।

राजू राजपूत
मो. 9839909008

पता- 51 द्विवेदी नगर, तौधकपुर रोड, समाधि पुलिया, नौबस्ता कानपुर



बेहतर स्वास्थ्य के लिए सही चुनाव...

CARE-TEX®
OUR MISSION IS PATIENT CARE

दुर्द कम... जीवन सुशहाल...

आपके स्वस्थ जीवन का साथी

अब पाएं Care-Tex के उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी सपोर्ट प्रोडक्ट्स हमारे यहाँ

अरुण कुमार अस्थाना
जय अंबे ट्रेडर्स

30 YEARS OF EXCELLENCE

- बेहतरीन क्वालिटी
- टिकाऊ और आरामदायक
- डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित
- हर उम्र के लिए उपयोगी
- वाजिब दाम, भरोसेमंद सेवा

हमारे उपलब्ध अन्य प्रमुख प्रोडक्ट्स

Knee Cap, Ankle Support, Elbow Support, Cervical Collar, Arm Sling, Wrist Support, Posture Belt, Finger Support

दुर्द से राहत बेहतर समर्थन, उच्च गुणवत्ता, वाजिब दाम बेहतर सेवा, डॉक्टरों की पहली पसंद, 30 वर्षों का विश्वास

Caretex कार्यालय
19/174, पटकापुर, कानपुर

संपर्क करें 9936442547, 7705800400

★★★★ आपकी सेहत... हमारी प्राथमिकता | Care-Tex - मरीजों की देखभाल ही हमारा लक्ष्य ★★

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर



तुरन्त रजिस्ट्री तुरन्त कब्जा लें

बिना ब्याज के

अकाना होम डेवलपर्स आवासीय प्लॉट

हमारी साईट :

- ❖ पाली
- ❖ सेन पश्चिम पारा
- ❖ मंझावन
- ❖ नौबस्ता आवास विकास
- ❖ रमईपुर
- ❖ जाजमऊ गंगापुर

पता- 34, सुभाष कॉम्प्लेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर

Mob. : 90005315389

साई पेपर कप ग्लास मैनुफैक्चर



महेंद्र पटेल
प्रबंधक



माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास - 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

☎ 9919772233 ☎ 7985401046

पता:- प्लॉट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर



Sahu Ji Maharaj Restaurant



राजसी ठाट देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लॉक किदवाई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा, नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

Since:1992

